15th August, 1979; Charan Singh's Independence Day Speech at Red Fort

पंद्रह अगस्त एक हज़ार नौ सौ उनासी। भारत में अपना तैंतीस वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। अवसर लाल कि के नाम अपने संदेश में प्रधानमंत्री श्रीचरण सिंह ने कहा यहां केंद्रीयीय गवर्नमेंट में जो तब्दी नहीं आई है कि वह प्रजा तांत्रिक तरीके से और शांतिपूर्ण तरीके से आई है। आप अपने देश के सामने कई सांच है जो मोबाइल खड़े हैं। स के घर में दूसरी समस्या बे रोजगारिक कि जिस वक्त जनता पार्टी में बागालय की वक्त से लेकर अब तक पच्चीस लाख और नए नौजवानों है अपना नाम कामला दूतर में दर्ज किया पच्चीस लाख लड़कोंना अर्थात बेरोजगारी बती जाती है। पिछले दो प वर्षीय योजना में सीमेंट बोला बिजली के उत्पादन आदि के लिए बहुतुता रखा है। जो की सारे और फ सा नि निकालशा प्रता अ सोलह बिजली रेलवे का चलना और अब यह हड़ताला होना और बंदर गांव में जहांजों का सामान लगा खड़े रहना। एक का नजा यह हुआ की जब तक इन चीजों की पैदावार नहीं पड़ती है।

भाव बढ़ता रहेगा। त अब मैं वर्ग काक्र कर रहा था जिनकी तरह गवर्नमेंट को ज्यादा ध्यान देने की जरूरत। आदिवासगा जिनके पासगा और अपने देश के पचास फ शादी किसान जिनके पास केवल एक हक्टर समय चार विकेट जमीन से कम है इन सब की तरफ गमेंट का विशेष ध्यान होगा पड़ आप कहते होंगे तो फिर देश के अंदर क्यों? उसका कारण यह है कि वह पास शक्ति ने। उसके लिए खेती की पैदावार बढ़ाने की तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यक भ्रष्टाचार की कोई सीमा है?

देश में भष्ट, कभी चा, कोई कोई बदार हो होगा, कितने प्रोग्राम चला वह तरफ अगर देश को उठाना है। पुरुषार्थ करना, हम सबको प्ररषाद करना, मैं अपने आपको शामिल करता हूं, अपने जो सहयोगी मिनिस्ट बैठे सब को शामिल करता हूं कि हमको अनवरत परिश्रम करना पड़ेगा। तब जाकर किसी भी देश, बड़े देश की तरफ हमारा कोई विशेषुकाव नहीं हो। हमारा विश्वास यह है कि महात्मा जी की शिक्षा पर चलकर इस देश में, इस अंतरराष्ट्रीय जगत में, इंटरनेशनल वर्ल्ड में, इस दुनिया में शांति ख हो सकती है, लोगों को सुख मिल सकता है। तक दक्षिणशिया के मुल्कों का सवाल है। हमारे संबंध से छ रहे। वह किस के लिए बनाया जा रहा है कि तीन तो उनकी की दोस्ती है।

और रस में उनका कोई झगड़ा नहीं है कि अफगानिस्ता बहुत छोटा सा उनसे कोई झड़ा नहीं। तो अगर मेरे साथी इस नतीजे पर पहुंचा और हमारे देशवासी इस नतीजे पर कौन है कि यह बम जो हिंदुस्तान के लिए बनाया जा रहा समझता मिलवा के फ सच्चाई से बहुत दूर हमारा नतीजा नहीं हो। हमने तय किया हुआ था आज तक हमारा यही फैसला है। कम नहीं बनाना चाती। बम बनाने की दौड़ में हम नहींना चाहते। लेकिन अगर पाकिस्तान अपने इरों पर कैरा और बम बनाने ब इकट्ठे करने की कोशिश करता रहा, मुझको मेरे साथियों सारे प्रश्न पर शायद पु विचार क होगा। आप लोग मेरे साथ मिलकर तीन बार जय हिंद बोलने की कृपाक रख, जय हिंद। जय हिंद, समाचार चि की रिकॉर्डिंग करते समय मिली ताजा खबर के अनुसार श्री चरण सिंह ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है।

On 15th August 1979, India celebrated its 33rd Independence Day. In his message to the Prime Minister, Shri Charan Singh said that the change that has come in the Central Government here has come in a democratic and peaceful manner. There are many truths in front of our country which are standing in front of us. The other problem in our homes is unemployment. Since the time of the Janta Party's formation, 25 lakh new youth have registered their names in the Kamal Nath government. 25 lakh youth are unemployed, that is, unemployment continues. In the last two five-year plans, a lot has been kept for the production of cement, electricity etc. All these things have been taken out. 16 electricity, running of railways and now this strike and the goods of ships standing in Bandar village. The result of one thing is that till the production of these things does not start, the prices will keep on increasing. So now I am talking about the classes on which the government needs to pay more attention. The tribals, who have their own and the fifty percent of our country's population is getting affected. Farmers who have only one hectare or less than four acres of land will get special attention of the government. You might be saying, then why in the country? The reason is that they have power. For them, it is necessary to pay special attention towards increasing the production of crops. Is there any limit to corruption? There must be corruption in the country, sometimes there is corruption, sometimes there is a problem, how many programs are being run if the country has to be raised in that direction. We have to make efforts, we all have to pray, I include myself, I include all my fellow ministers that we will have to work hard continuously. Only then we will not have any special inclination towards any country, big country. Our belief is that by following the teachings of Mahatmaji, there can be peace in this country, in this international world, in this world, people can get happiness. As far as the question of the countries of South Asia is concerned, we are talking about our relations. For whom is it being made, that it is their friendship.

And they have no quarrel with each other that Afghanistan is a very small country, no problem with them. So, if my friend and our countrymen have come to this conclusion that this bomb which is being made for India, we think that our result will not be far from the truth. We had decided, till date this is our decision. We do not want to make less. In the race of making bombs, we are I don't want to say this. But if Pakistan continues to follow its intentions and try to make and collect bombs, I and my friends will have to reconsider the whole question. You all please join me in saying Jai Hind three times, Jai Hind. Jai Hind. As per the latest news received while recording the news channel, Shri Charan Singh has resigned from his post.